यहां बनने व पैदा होने वाले उत्पादों का औद्योगिक हब बनाकर निर्यात बढ़ाया जाएगा

काशी-विंध्य विकास क्षेत्र यूपी की आर्थिक प्रगति तेज करेगा

आकलन

लखनऊ, विशेष संवाददाता। राज्य सरकार काशी-विंध्य क्षेत्र के सहारे उत्तर प्रदेश की आर्थिक विकास को नई गति देने जा रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा कैबिनेट की बैठक में काशी-विंध्य विकास क्षेत्र बनाए जाने की सैद्धांतिक सहमति देने के बाद आवास एवं शहरी नियोजन विभाग ने इस दिशा में काम शुरू कर दिया है। वाराणसी की मौजूदा जीडीपी 4.7 है, लेकिन यह माना जा रहा है कि नया विकास क्षेत्र बनने के बाद आर्थिक विकास को गति मिलेगी और इन शहरों की जीडीपी में तेजी से उछाल आएगा।

नीति आयोग ने उत्तर प्रदेश में अलग-अलग विकास क्षेत्र बनाने का सुझाव दिया है। उनसे काशी-प्रयागराज विकास क्षेत्र बनाने का सुझाव दिया था, लेकिन मुख्यमंत्री ने काशी-विंध्य और प्रयागराज-चित्रकूट विकास क्षेत्र बनाने का निर्देश दिया है। इसके आधार पर काम शुरू कर दिया गया है। काशी-विंध्य क्षेत्र में वाराणसी के आसपास के जिलों जैसे जौनपुर, मिर्जापुर, चंदौली, भदोही और सोनभद्र को शामिल करने की योजना है।

आवास विभाग ने इस दिशा में काम शुरू कर दिया है। वाराणसी पर्यटन और धार्मिक दृष्टि से काफी महत्पूर्ण है। यहां की साड़ी पूरे दुनियां में मशहूर है। भदोही में कालीन का बड़ा कारोबार है। मिर्जापुर धार्मिक दृष्टि से काफी महत्पूर्ण है। सोनभद्र अपने समृद्ध कोयला भंडार और भारत की ऊर्जा उत्पाद के लिए जाना जाता है। सोनभद्र कुल 6905 वर्ग किलो मीटर के दायरे में फैला हुआ है। यह भी माना जा रहा है कि सोनभद्र में सोने का भंडार है। खनन से इसे प्राप्त किया जा सकता है। इसीलिए काशी-विंध्य क्षेत्र के सहारे सरकार उत्तर प्रदेश के आर्थिक विकास को नई गति देगी। नया कॉरिडोर बनाते हुए औद्योगिक गलियारा विकसित किया जाएगा। इसमें उद्योगों स्थानीय उत्पदों को ध्यान में रखते हुए उद्योगों को बढ़ावा दिया जाएगा। राज्य सरकार का मानना है कि इससे उत्तर प्रदेश को वन ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था करने में मदद मिलेगी।

कहां की कितनी जीडीपी

जिला	जीडीपी
वाराणसी	4.7
जौनपुर	3.2
मिर्जापुर	2.6
चंदौली	1.6
भदोही	1.5

मिलेगा रोजगार और रुकेगा पलायन

- **वाराणसी :** बनारसी साड़ी, लकड़ी के खिलौने और गुलाबी मीनाकारी के उत्पाद को बढ़ावा देने के लिए इन क्षेत्रों में निवेश करने वालों के लिए माहौल तैयार किया जाएगा।
- **चंदौली :** जरी-जरदोजी और काला चावल की औद्योगिक इकाइयां लगाने को बढ़ावा दिया जाएगा। चावल से जुड़े उत्पादों के लिए सुविधाएं विकसित की जाएंगी
- **भदोही :** कालीन उद्योग को बढ़ावा देने के लिए विदेशी निवेश को आकर्षित करने के लिए इसके आसपास के क्षेत्रों में कारखाना लगाने वालों को जमीनें दी जाएंगी
- इसके साथ ही विकास क्षेत्र के आसपास नई टाउनशिप लाई जाएगी। आवासीय योजनाओं के साथ एनसीआर की तर्ज पर औद्योगिक गलियारा और नॉलेज पार्क विकसित होगा।
- इससे रोजगार के नए द्वार तो खुलेंगे ही साथ ही पूर्वांचल से होने वाला पलायन भी काफी हद तक रुकेगा। देशभर में पूर्वांचल के लोग काम करने के लिए जाते हैं।